दैनिक भास्कर
बिलासपुर 20-06-2025

जैकेट व पेज 1 के शेष

DMF घोटाला: घूस लेने के लिए खर्च के नियम बदले...

डीएमएफ फंड से 2021 से 2023 में किस विभाग ने कितने करोड़ के काम कराए

विभाग का नाम	टेंडर अमाउंट रुपए में
आदिवासी विकास विभाग	29.86 करोड़
खेल एवं युवक कल्याण	27.62 करोड़
समग्र शिक्षा विभाग	72.26 करोड़
महिला एवं बाल विकास	119.39 करोड़
जनपद पंचायत उपरोडा	110.14 करोड़
जनपद पंचायत पाली	146.13 करोड़
जनपद पंचायत कटघोरा	38.71 करोड़
जनपद पंचायत करतला	16.08 करोड़
जनपद पंचायत कोरबा	15.24 करोड़

कलेक्टर रानू साहू को घूस देकर किस वेंडर ने डीएमएफ में कितने करोड़ का काम लिया

वेंडर का नाम	ठेका (रु. में)	रिश्वत दी
संजय शेंडे	114.24 करोड़	20 करोड़
ऋषभ सोनी	54.87 करोड़	14 करोड़
मुकेश अग्रवाल	50.21 करोड़	13.85 करोड़
अशोक अग्रवाल	29.58 करोड़	
राकेश शुक्ला	29.58 करोड़	12 करोड़
मनोज द्विवेदी	19.11 करोड़	8 करोड़

मनोज ने 17.78 करोड़ सेल कंपनियों को ट्रांसफर किए

उद् गम सेवा समिति के संचालक मनोज द्विवेदी ने 2021-22 व 2022-23 में डीएमएफ से कुल 19.11 करोड़ का टेंडर लिया। इसमें से 8 करोड़ अफसरों को रिश्वत में दिए। एनजीओ के अकाउंट की पड़ताल में खुलासा हुआ कि 17.78 करोड़ सेल कंपनियों को ट्रांसफर कर अवैध नगदी तैयार की गई।

हमर लैब घोटाले पर...

आरोप है कि छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बिना बजट और प्रशासनिक स्वीकृति के उपकरणों की अनावश्यक खरीद की। इस मामले में एसीबी ने मामला दर्ज किया था। एफआईआर के अनुसार सप्लाई करने वाली कंपनियों में मोक्षित कॉर्पोरेशन, सीबी कॉर्पोरेशन, मेडिकेयर सिस्टम, श्री शारदा इंडस्ट्रीज आदि को अनुचित लाभ पहुंचाने की मंशा से उपकरण और रीजेंट वास्तविक कीमत से कई गुना अधिक दर पर खरीदे गए।

मोक्षित कॉर्पोरेशन को मिला था टेंडर: सामान सप्लाई का टेंडर मोक्षित कॉर्पोरेशन को मिला था। फर्म को मशीनों और रीजेंट की सप्लाई का टेंडर मिला था। जांच कर रही एजेंसी का कहना है कि आरोपी ने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर निविदा शर्तों में हेरफेर कर मनचाही कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया। आरोपी ने अपने रिश्तेदारों और सहयोगियों के नाम पर कई फर्जी कंपनियां बनाकर 150 करोड़ रुपए के फर्जी बिल बनाए। साथ ही, क्लोज सिस्टम वाली मशीनों की सप्लाई कर यह सुनिश्चित किया गया कि भविष्य में केवल उन्हीं की कंपनी से रीजेंट की सप्लाई की जा सके।

राज्य सरकार ने कहा- गंभीर अपराध: राज्य सरकार की तरफ से उपमहाधिवक्ता डॉ. सौरभ पांडे ने जमानत अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि यह गंभीर और सुनियोजित आर्थिक अपराध है, जिसमें सार्वजनिक धन का दुरुपयोग हुआ है। उन्होंने तर्क दिया कि आरोपी मास्टरमाइंड है जिसने निविदा प्रक्रिया को प्रभावित कर नियमों के विरुद्ध अपने पक्ष में एग्रीमेंट करा लिया था। अभी तक मामले में शामिल रहे कई सरकारी अधिकारियों की गिरफ्तारी होनी बाकी है। आरोपी को जमानत मिलने से सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका बनी रहेगी।

हास्य और गर्मजोशी से...

मुझे जो बात सबसे अधिक प्रभावित करती है, वह है आमिर का एक्टर से स्टोरीटेलर बनने का सफर। 'तारे जमीन पर' के आदर्शवादी टीचर से लेकर 'सितारे जमीन पर' के खामियों से भरे, अहंकारी कोच तक- आप साफ देख सकते हैं कि वह लगातार सीख रहे हैं, चुनौतियां ले रहे हैं। उनकी पसंद और भी साहसी हो गई है। उनके किरदार और भी संवेदनशील। उनकी स्टोरीटेलिंग पहले से कहीं ज्यादा ईमानदार महसूस होती है।

कहानी गुलशन नाम के एक आत्ममुग्ध बास्केटबॉल कोच की है, जिसे नशे में गाड़ी चलाने के अपराध में कोर्ट समाज सेवा की सजा सुनाती है। उसे न्यूरोडाइवर्जेंट लोगों की एक टीम को कोचिंग देनी होती है।

शुरुआत में यह सिर्फ एक सजा लगती है, लेकिन यह धीरे-धीरे उसकी सोच, भाव और जीवन बदल देती है। निर्देशक आरएस प्रसन्ना तारीफ के हकदार हैं, जिन्होंने पूरी टीम से संवेदनशील अभिनय निकलवाया।